RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 39 अंक 37 हल्द्वानी सम्वत् 2080 सोमवार 19 फरवरी 2024 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

ग्यारहवीं पुण्यतिथि

स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
(संस्थापक/सम्पादक पिघलता हिमालय)
21.5.1944 - 22.2.2013

आपकी दूरदृष्टि, आपके द्वारा किया गया चिन्तन-मनन व कार्य हमारे प्रेरणा श्रोत हैं। ग्यारहवीं पुण्यतिथि पर शत-शत नमन।

समस्त परिजन
एवं
पिघलता हिमालय परिवार

बनभूलपुरा उपद्रव से खतरे का संकेत

भविष्य में गड़बड़ न हो इसके लिये तैयारी जरूरी

कार्यालय प्रतिनिधि

उत्तराखण्ड के प्रमुख केन्द्र के रूप में देखा जाने वाला हल्द्वानी इस समय अतिक्रमण मुक्त करने के अभियान में अग्रणीय है परन्तु 8 फरवरी 2024 की घटना ने फिर से सिद्ध कर दिया है कि अतिक्रमों की जड़ जमाने के लिये इस भाबर में बहुत आड़ ली जाती रही है। बसने-बसाने के क्रम में मकान-दुकान सहित बहुत कुछ बना लिया गया। राजनीति का संरक्षण ऐसा मिला कि सुविधाएं भी मिली। वोट के खातिर छुटभैय्ये जमीनों के सौदे करने लगे। बिगड़ते जा रहे शहरी ढांचे में जब डण्डा चला तो बिलबिलाने वालों की संख्या ज्यादा है।

बनभूलपुरा क्षेत्र के मलिक के बगीचे में अवैध मदरसा और नमाज स्थल ढहाने के दौरान उपद्रवियों द्वारा किये गये पथराव, आगजनी से माहौल अशान्त हो गया। बनभूलपुरा की यह घटना खतरे का संकेत है। बार-बार आड़ लेकर गड़बड़ करने वालों द्वारा कब क्या कर दिया जाएगा, इस सवाल को लेकर पूरा महानगर विचार करने लगा है। यही कारण है कुछ लोगों के उपद्रव से पूरा हल्द्वानी कर्फ्यू में बदल गया। आस-पास रामनगर, खटीमा, काशीपुर सहित राज्य में हाईअलर्ट कर दिया गया। इसका असर यूपी तक देखा गया। बनभूलपुरा में पथराव करने वालों ने पुलिस बल, नगर निगम की टीम, पत्रकारों पर हमला कर घायल कर दिया, वाहनों में तोड़फोड़ की, बनभूलपुरा थाना फूंक डाला। पुलिस की जबाबी कार्रवाई के समय 4 की मौत हुई। बिगड़ते हालात देख मुख्यमंत्री ने उच्चस्तरीय आपात बैठक कर उपद्रवियों से निपटने को कहा। हल्द्वानी को सात सेक्टरों में बांटते हुए अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। घपले वाले इलाके में सख्ती करते हुए हुड़दंगियों की पहचान कर उन्हीं से नुकसान की भरपाई की बात प्रशासन कर रहा है।

हल्द्वानी का बनभूलपुरा क्षेत्र पहले से सम्वेदनशील रहा है। गलियों में भरी जनसंख्या के बीच किसी प्रकार का अभियान चलाना बहुत कठिन है। इन्दिरा नगर के मलिक बगीचा में जिस दिन से अतिक्रमण हटाने की जिद प्रशासन की थी उसी समय से आस-पास रहने वाले भी अपनी जिद पर अड़े थे लेकिन यह अंदाजा नहीं था कि पथराव करने के लिये छतों पर पत्थर इकट्ठे किये जा रहे हैं। उपद्रव वाले दिन जमकर पथराव, पेट्रोल बम से हमले के साथ ही सौ से ऊपर वाहनों को फूंकने वाले इतने बेकाबू थे कि पूरा शहर जलने लगता। बनभूलपुरा की गलियों में घिर गये पुलिस कर्मियों ने भी जैसे-तैसे जान बचाई। बेहद खतरनाक हो चुके हालातों पर पीएसी, पैरामिलिट्री सहित सुरक्षा कम्पनियों को बाहर से बुलाया गया। शहर के अन्य हिस्सों में कोई उपद्रव न भड़के इसके लिये पूरे शहर में कर्फ्यू लगाने के साथ इंटरनेट सुविधा बन्द कर दी गई। ऐसे समय में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हल्द्वानी दौरा कर इस हिंसा को साजिश बताया और कहा दोषियों को छोड़ा नहीं जाएगा। देवभूमि की फिजा खराब करने की कोशिश की गई, अब कानून अपना काम करेगा। मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने मौके पर पहुँच कर कहा कि दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

तैस में आकर उपद्रव कर गये लोगों की जांच-पड़ताल और कार्रवाई तो चल रही है लेकिन जो कुछ हुआ वह हमेशा के लिये खतरे का संकेत तो है ही। इसके लिये हर किसी को सावधान रहना होगा इस प्रकार के मामले साम्प्रदायिक नहीं हैं। ऐसे समय में जब पूरे शहर में अतिक्रमण हटाओ अभियान भी जारी है, आगे भी सचेत रहने की जरूरत है।

सरस मार्केट का ताला तोड़कर प्रशासन ने जड़ा अपना ताला, कार्यवाही की मांग पर रिपोर्ट

कहाँ है भोटिया पड़ाव बागेश्वर और राजू-मालू की गाथा?

पि.हि. प्रतिनिधि

बागेश्वर। सरस मार्केट में कब्जे को लेकर जोहार सांस्कृतिक समिति तथा महिला समूहों के बीच चल रहे विवाद के बीच प्रशासन ने ताला तोड़कर अपना ताला जड़ दिया। इस मामले में अब गर्माहट बनी हुई है। मल्ला जोहार विकास समिति सहित अन्य संगठनों ने भोटिया पड़ाव की भूमि पर अपना अधिकार बताते हुए शासन-प्रशासन से न्याय की बात कही है। मामले में रिपोर्ट करते हुए ताला तोड़ने, सामान बाहर फेंकने वालों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की मांग की है। ऐसा न होने पर वृहद आन्दोलन की चेतावनी दी है। ग्राम बोना के योगेश कुमार और ग्राम इमला के तरूण जंगपांगी ने मामला दर्ज करने के लिये मुनस्यारी थाने में पत्र दिया है।

यह बात सोचनीय है कि जिस बागेश्वर का नाम राजुला-मालूशाही जैसी गाथा में आता है और सीमान्त क्षेत्र के व्यापारियों का उल्लेख होता है, क्या वहाँ भोटिया पड़ाव नहीं होना चाहिये? क्या ऐतिहासिक तथ्यों को नकार दिया जायेगा? पुराने व्यापारिक मार्ग, पुराने सराय, पुराने पड़ाव की जो व्यवस्था रही है उसे बचाने के लिये सरकार क्या कर रह है? इस बार उत्तरायणी मेले के समय से ही विवाद काफी हो चुका था जबकि सीमान्त क्षेत्र के व्यापारी वर्षों से इस ऐतिहासिक मेले में आते रहे हैं।

6 फरवरी को यह विवाद एकदम उग्र हो गया। महिला समूह और जोहार संगठन के बीच तनातनी को देख भारी संख्या में पुलिस बल अन्य अधिकारी मौके पर पहुँचे। जोहार सामाजिक एवं सांस्कृतिक समिति की अध्यक्ष पूजा जंगपांगी ने विरोध करते हुए कहा कि यह स्थान उनके पूर्वजों के समय से है, ऐसे में इसमें परम्परागत रूप से भोटिया पड़ाव होना चाहिये। हमारी समिति के कार्यालय को तोड़ने, सामान बाहर फेंकने,

हमरी विभूतियों के फोटो को हटाने वालों ने जिस तरह की बर्बरता की वह माफी लायक नहीं है। समिति के संरक्षक व उत्तराखण्ड राज्य आन्दोलनकारी गंगा सिंह पांगती ने रोष प्रकट करते हुए कहा कि वर्षों की परम्परा को दबाव में आकर अपमानित नहीं किया जा सकता है। बागेश्वर में व्यापार की पुरानी परम्परा के अनुसार जय जगह सीमान्त क्षेत्र के लोगों के लिये है। बागेश्वर प्रशासन का मानना है कि जोहार संगठन अपना दावा कर रहा है किन्तु यहाँ पर प्रशासन ने सरस मार्केट बनाया है। साथ ही महिला समूहों के बीच लम्बे समय से यह विवाद चल रहा है।

सरस मार्केट में प्रशासन की कार्रवाई के बाद जोहार से जुड़े संगठनों ने आवाज उठाई है। मल्ला जोहार विकास समिति के अध्यक्ष श्रीराम सिंह धर्मशक्तू ने जोर जबर्दस्ती कर प्रशासन द्वारा अपना ताला लगाने की घटना को लोकतन्त्र की हत्या बताया है। उन्होंने कहा कि आखिर अन्याय कौन सहेगा? जिस पड़ाव के लिये कहा जाता है, उसकी जाँच होनी चाहिये। शासन-प्रशासन को सीमान्त क्षेत्र के व्यापारियों के संरक्षण की दिशा में विचार करना चाहिये। लोकबहादुर सिंह जंगपांगी ने कहा कि बागेश्वर की घटना जनजातीय लोगों पर अत्याचार कही जायेगी। किस परिस्थितियों में सीमा क्षेत्र के व्यापारी बागेश्वर आते रहे हैं उन्हें सहयोग के बजाय भोटिया पड़ाव के रूप में जो आश्रय था उसे ही हटाने की कार्वाई उचित नहीं है। जोहार सामाजिक एवं सांस्कृतिक समिति के साथ मिलकर यह लड़ाई जारी रहेगी।

जिला पंयायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने भोटिया बाजार बनखोला को लेकर विकास खण्ड प्रशासन के निर्णय की निन्दा की है। कहा कि भोटिया समाज आहत है। उन्होंने घटना की जाँच के लिये समिति गठित करने की मांग की है। श्री मर्तोलिया कहते हैं कि बागेश्वर में वर्षों से अनु.जनजाति और अन्य समाज के लोग प्रेम-व्यवहार, सौहार्दपूर्ण वातावरण में रहते हैं। कत्यूर घाटी और दानपुर से शौका जनजातियों की सैकड़ों वर्ष पुराने सम्बन्ध हैं। उन्होंने सरस मार्केट मामले में दोषी पर कार्रवाई की मांग की है।

बताते चलें कि प्राचीन काल में होने वाले व्यापार और पड़ावों को लेकर पिघलता हिमालय बार-बार आवाज उठाता रहा है। आँखिर बागेश्वर सहित अन्य स्थानों के पड़ावों को संरक्षित करने के बजाए किसने लील लिया?

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

अतिक्रमण की जड़ जमाने के लिये आड़ लेना घातक है

हल्द्वानी के बनभूला क्षेत्र में मलिका का बगीचा स्थित अवैध अतिक्रमण हटाने पर जिस प्रकार का बबाल मचा है, उसने सिद्ध किया है कि अतिक्रमण की जड़ जमाने के लिये आड़ ली जाती रही है। मन्दिर-मस्जिद इत्यादि बनाकर घेराबाड़ी नहीं होनी चाहिये। इसके अलावा यदि हटाया जाता है तो उसे जाति धर्म से न जोड़ा जाए। अतिक्रमण तो अतिक्रमण ही है।

हल्द्वानी क्षेत्र में हुए उपद्रव को सूझबूझ से निपटाया गया है लेकिन इसकी चिंगारी सुलगी हुई है। मामले को जाने बिना बरेली के आईएससी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां ने जिस प्रकार से बयान किये और भारी भीड़ को सम्बोधित किया वह भड़काने वाली बात है। मौलाना को यदि कोई पीड़ा है तो उन्हें उसे अलग से बयान करना चाहिये लेकिन उन्होंने उसे हल्द्वानी की घटना से जोड़ते हुए जिस प्रकार से सम्बोधित किया वह सब ठीक नहीं। मौलाना ही क्या, किसी भी नेता को गलत के साथ से बचना चाहिये। गलत के लिये आड़ लेने की प्रथा में शहर जलता है। यही सब हल्द्वानी में करने की साजिश थी जिसे प्रशासन ने शक्ति के साथ संभाला।

जिलाधिकारी नैनीताल ने कहा- यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। आरोपियों की पहचान कर सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह साम्प्रदायिक घटना नहीं थी, इसे साम्प्रदायिक या सम्वेदनशील न बनाया जाए। किसी विशेष समुदाय ने जवाबी कार्रवाई नहीं की....यह राज्य मशीनरी, राज्य सरकार और कानून व्यवस्था की स्थिति को चुनौती देने का प्रयास था।

एक बड़ी घटना के बाद नेताओं के बयान आते हैं और आने लगे हैं लेकिन बनभूलपुरा में अतिक्रमण वाली घटना को सिर्फ बयान की हवा से नहीं फैलाया जाना चाहिये। हालातों को ठीक करने, बेसहाराओं को राहत देने, शिक्षा के लिये प्रेरित करने, झगड़ा न करने के लिये तो कहा जा सकता है लेकिन अतिक्रमण हटाने गई टीम पर पथराव-आगजनी करने वालों के साथ किसी प्रकार की हमदर्दी नहीं हो सकती है। इसमें पक्ष-विपक्ष की बात ही नहीं। इसके लिये कोई आड़ ठीक नहीं।

देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

किंग्स चार्ल्स तृतीय कैंसर से ग्रसित

ब्रिटेन के किंग्स चार्ल्स तृतीय कैंसर से ग्रसित हो गए हैं और उनका उपचार जारी है। राजमहन बकिंघम पैलेस की ओर से जारी बयान में बताया है कि किंग्स चार्ल्स तृतीय प्रोस्टेट के इलाज के तुरन्त बाद यह पता चला कि वे कैंसर से ग्रसित हैं। डाक्टरों ने उन्हें आराम करने की सलाह दी है।

यमन के प्रधानमंत्री को किया बर्खास्त

यमन की अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त राष्ट्रपति परिषद ने प्रधानमंत्री मईन अब्दुलमलिक सईद को बर्खास्त कर दिया। यह प्रत्याशित कदम ऐसे समय में उठाया गया है सरकार के प्रतिद्वंद्वियों यानी ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने ठिकानों पर अमेरिका नीत गठबन्धन हमले कर रहा है।

तुर्की की अदालत में हमले का प्रयास

तुर्की के इस्ताबुल में एक अदालत परिसर पर हमला करने की कोशिश के दौरान दो व्यक्तियों को मार गिराया गया। तुर्की गृहमंत्री अली येरलिकाय ने सोशल मीडिया पर बताया कि सुरक्षा चौकी पर हमला का प्रयास कर रहे एक पुरुष और एक महिला मारे गए।

कजाकिस्तान के नये प्रधानमंत्री बने ओल्जास

कजाकिस्तान के राष्ट्रपति कासिम जोमार्ट टोकयेव ने कजाकिस्तान गणराज्य में आंल्जास बैक्टेनोव को देश का नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया है। वहाँ सत्तारूढ़ अमात पार्टी ने ओल्जास बेक्टेनोव की उम्मीदवारी का प्रस्ताव रखा था जो पहले राष्ट्रपति प्रशासन के प्रमुख के रूप में कार्य करते थे।

अफगानिस्तान में गाना सुनना गुनाह

अफगानिस्तान में तालिबान ने अपने शासन के बाद आम लोगों पर प्रतिबन्ध थोपना जारी रखा है। तालिबान ने कई तरह के प्रतिबन्ध लगाए हैं और हाल ही में गाने सुनने पर दस लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। बताया जा रहा है कि योगी काला जिले में गाने सुनने और संगीत वाद्ययन्त्र बजाने के लिये दस लोगों को गिरफ्तार किया गया।

भारत-फ्रांस नौसेना के बीच सुरक्षा चर्चा

भारत और फ्रांस की नौसेना के बीच नई दिल्ली में 17वीं स्टाफ वार्ता आयोजित की गई। बैठक में दोनों देशों की नौसेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने शिरकत की। इस दौरान परिचालन, प्रशिक्षण और सूचना का आदान-प्रदान समेत वर्तमान में नौसेना के सामने आ रही समस्याओं पर चर्चा की गई।

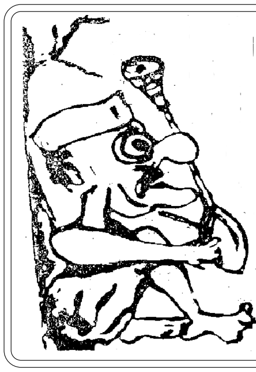

फसक

दाज्यू, अपनी हाँ के लिये लपेटबाजी होने वाली ठैरी

चुनाव तक मनाना-इठलाना तो लगा रहता है बल

दाज्यू, मोदी ज्यू कह रहे हैं- 'अगले चुनाव में विपक्ष दर्शक दीर्घा में दिखेगा।' हमारी कुछ समझ नहीं आ रहा है क्या होने वाला है। यूपी के मुख्यमंत्री योगी इन दिनों बहुत खुश हैं और कह रहे हैं- 'महाभारत न हो इसलिए हमने केवल अयोध्या, मथुरा, काशी ही चाहा है।' दाज्यू, कहीं खुसी कहीं गम लगा ठैरा। संसद भवन में वास्तुदोष बताने वाले खुशदीप बंसल गिरफ्तार हो चुके हैं। उनपर भाई हरीश बंसल के साथ मिलकर 65 करोड़ की ठगी का आरोप है। पता नहीं बड़े लोगों का इतना भी क्या होता होगा......। वास्तुशास्त्र के नाम पर बहुत बबंडर मचता है पता नहीं क्या होता होगा। हम तो इतना भर मानते हैं कि सूरज पूरब से निकलता है। अमावस्या के दिन दक्षिण दिशा में पितर आते हैं। बांकी भगवान जाने। जितना अपने से बन पड़े कर दो बाकी दोष-रोग-शोक दुनिया हुई।

हमें तो खुशी इस बात की है कि जाकिर हुसैन सहित 5 भारतीयों को ग्रैमी अवार्ड मिला गया। दाज्यू, हमें तो खुशी मनाने का समय भी नहीं मिल पाता क्योंकि कुछ न कुछ खुरपैच लगी ठैरी। पूर्व कैबिनेट मंत्री दिनेश घनै सहित कई छुटपुट नेता भाजपा में शामिल हो गये हैं। चुनाव तक मनाना इठलाना तो लगा रहता है बल।

दाज्यू, अपनी हाँ के लिये लपेटबाजी भी होने वाली ठैरी। हल्द्वानी में अपहरण और गैंगरैप की कहानी झूठी निकली। आरोप लगाने वाली युवती ने ऐसा क्यों किया होगा? असल में आरोप लगाना भी आसान हो गया ठैरा। मौलेखाल में एक व्यक्ति ने 112 में फोन कर पुलिस से मदद की गुहार लगाई। पुलिस मौके पर पहुँची तो आरोपित स्वयं ही हुड़दंग करता दिखाई दिया। दाज्यू, ये सब भी तो लपेटबाजी ही ठैरी। देख नहीं रहे हो पीएम सीएम की घोषणाओं के बाद मुन्ना और छज्जू भी बयानबाजी करने लगते हैं। उनके लिये यही मजा और मजमा करने का बहाना हुआ।

समान नागरिक संहिता पर छोटे-बड़े नेता कोच-कोच बोल रहे हैं कौन क्या कर सकता है। बजरंग दल के बड़े नेता प्रवीण तोगड़िया भी अपने किच्छा दौरे में कह गये- 'उत्तराखण्ड की तरह अन्य राज्यों को भी यूसीसी लागू करना चाहिए।' रुखू और बबलू का बयान भी जारी हो चुका है। धांकड़ नेता हरक सिंह रावत के ठिकानों पर ईडी का छापा भी जबर्दस्त रहा। हरक ने भी तो कुर्सी की ताकत होने पर खूब गुर्र की थी। अब क्या? ईडी तो ईडी ठैरी। काशीपुर में भाजपा के जिला मंत्री अमित सिंह के आवास पर भी तो प्रवर्तन निदेशालय का छापा पड़ा। आवास से नगदी, जेवर, दस्तावेज जब्त कर लिये बल। हरिद्वार में पूर्व आईएफएस किशनचंद के आवास पर भी छापेमारी हुई। इधर हल्द्वानी नगर निगम का अवर अभियन्ता लेनदेन में पकड़ लिया गया बल।

दाज्यू, जिसकी जैसी चली चला रहा है। भारत-नेपाल मैत्री बस को पुलिस ने सीज कर दिया क्योंकि ड्राइवर सैप बस नियमों का उल्लंघन कर रहा था बल। बगैर ड्राइविंग लाइसेंस के था वह....। उसने भी सोचा होगा मैत्री का मामला है। नगर निगम देहरादून के अभिलेखो से हर साल रहस्यमयी तरीके से पत्रावलियां गायब हो रही हैं बल। सुनने में आ रहा है कि 14 हजार पत्रावलियां गायब हैं।

दाज्यू, हो लेने दो धुरमण्ड। इस समय हल्द्वानी से ज्यादा और क्या हो सकता है। बनभूलपुरा में जितनी तंग गलियों का रास्ता है, उसना ही दंग जमाना है। बयान जारी हैं। चुनाव भी सामने हैं।

-तुम्हारा भुली झकरुवा

धारचूला में व्यापार मण्डल ने की सख्ती

बाहरी लोगों को दुकान-मकान किराये पर न देने की अपील

धारचूला। सीमान्त के इस शहर में नाई का काम करने वाले बरेली के इरफान द्वारा तीन फरवरी को दो सगी नाबालिक बहनों को भगा ले जाने के बाद इलाके में गुस्सा है। हालात देखते हुए धारचूला व्यापार मण्डल की कोर कमेटी ने संगठन के सभी 630 व्यापारियों के पंजीकरण रद्द कर दिए। अब नई प्रक्रिया के तहत वर्ष 2020 के पूर्व से धारचूला में व्यापार कर रहे व्यापारियों का ही व्यापार मण्डल में पंजीकरण होगा। बाहरी मिस्त्री, मजदूरों आदि का अस्थाई पंजीकरण भी पुलिस सत्यापन के बाद ही किया जायेगा। व्यापार मण्डल के अध्यक्ष वी.एस. थापा के नेतृत्व में हुई बैठक में निर्णय लिया गया कि बिना पुलिस सत्यापन के किसी भी व्यापारी का पंजीकरण नहीं किया जायेगा। सदस्यता नवीनीकरण के दौरान दूसरे व्यक्ति द्वारा अपनी दुकान बताए जाने का दावा स्वीकार नहीं किया जायेगा। बाहर से आने वाले किसी भी व्यापारी को व्यापार मण्डल की सदस्यता नहीं दी जाएगी। महासचिव महेश गर्ब्याल ने कहा कि सीमान्त में अपराध रोकने के लिये यह कदम उठाना जरूरी है। व्यापार मण्डल ने सबसे अपील की है कि बाहरी लोगों को दुकान-मकान किराये पर भी न दें। जो आ रहा है उनका सत्यापन पहले हो।

बताते चलें की नाई का काम करने वाले मुस्लिम युवक द्वारा दो नाबालिक बहनों को भगाकर ले जाने के बाद धारचूला सहित तमाम जगह प्रदर्शन होने लगे थे। पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई की। आरोपी यूपी के शाहजहांपुर से पकड़ा गया। एक आरोपी पहले ही पकड़ा जा चुका था। अब पुलिस ने जिले में वृहद सत्यापन अभियान चलाया है। इसमें किरायेदारों का सत्यापन किया जा रहा है। एसपी लम्केश्वर सिंह ने कहा है कि सत्यापन के लिये पुलिस जागरुकता कार्यक्रम चलाती रहती है। प्रत्येक भवन स्वामी को अपने किरायेदार के सत्यापन के लिये कहा जाता है। इसके लिये भवन स्वामी को सहज रहते हुए पहले सत्यापन कराना चाहिये।

धारचूला की घटना के बाद जनजाति क्षेत्र को इनर लाइन के दायरे में शामिल करने की मांग भी तेज हुई है। पंचायत प्रतिनिधियों ने इनर लाइन की मांग को लेकर प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री को ईमेल के माध्यम से पत्राचार किया है। कहा है कि मुनस्यारी व धारचूला का क्षेत्र पहले इनर लाइन की परिधि में था तब कोई भी बाहरी व्यक्ति बिना परमिट के आवागमन नहीं कर सकता था। फिर से इनरलाइन की परिधि हो।

अप्रैल से चलेगी मानसखण्ड दर्शन विशेष ट्रेन

मानसखण्ड क्षेत्र के अल्पज्ञात धार्मिक स्थलों के लिए देश के विभिन्न क्षेत्रों से इस वर्ष अप्रैल माह से विशेष्ज्ञ पर्यटक ट्रेन संचालित की जाएंगी। राज्य के पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज की उपस्थिति में इस सन्दर्भ में पर्यटन विभाग तथा आई आरएसीटीसी के मध्य अनुबन्ध किया गया। पर्यटन विभाग की ओर से डॉ. हरीश रैड़तोलिया, अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी तथा आईआरएसीटीसी की ओर से समूह महाप्रबन्धक सुनील कुमार ने अनुबन्ध पर हस्ताक्षर किए।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

दिग्गज नेता

यहाँ आसान नहीं है आडवाणी होना

डॉ. हरीश चन्द्र अन्डोला

भारतीय राजनीति में न तो लालकृष्ण आडवाणी होना आसान है और न ही उनकी तरह सियासी हैसियत हासिल करना। पार्टी के लिए त्याग, परिवार और भ्रष्टाचार से दूरी को मंत्र बना कर उन्होंने राजनीति में अलग पहचान बनाई। पार्टी और विचारधारा के लिए सारा जीवन झोंक दिया। जीवनपर्यन्त पार्टी के समर्पित कार्यकर्ता रहे और हमेशा खुद की जगह पार्टी को तरजीह दी। आतंकवाद, तुष्टीकरण के खिलाफ उनका रुख वर्तमान पीएम मोदी की तरह ही रहा। अपनी सात दशक की राजनीतिक यात्रा में आडवाणी हमेशा परिवारवाद, भ्रष्टाचार से दूर रहे। आडवाणी ने अछूत मानी जाने वाली भाजपा को साल 2000 तक कांग्रेस की जगह राजनीति के केन्द्र के रूप में स्थापित कर दिया था। आडवाणी के लिए हमेशा पार्टी और विचारधारा प्राथमिकता रही। रामलहर में बड़ा कद होने के बावजूद पार्टी के भले के लिए हमेशा वाजपेयी को नेता माना। जब पहली बार वाजपेयी की अगुवाई में सरकार बनी तो पार्टी हित में संगठन को तरजीह दी और तब नम्बर दो की हैसियत से डॉ. जोशी ने शपथ ली। मण्डल आयोग की रिपोर्ट को संघ के अखण्ड हिन्दुत्व के लिए चुनौती माना गया। इसके असर को कम करने की चुनौती आडवाणी ने स्वीकार की। इसके बाद रथ यात्रा के सहारे आडवाणी ने मण्डल बनाम कमण्डल की चर्चा को राजनीति में स्थापित किया। जब उत्तराखण्ड राज्य आन्दोलन में भाजपा सक्रिय भूमिका में आई तो परेड ग्राउण्ड में लालकृष्ण आडवाणी की एक विशाल रैली हुई।

भाजपा के तमाम नेता आडवाणी को भारत रत्न देने से खुश हैं। आडवाणी भारतीय राजनीति के शिखर पुरुष होने के साथ ही शुचिता और प्रतिबद्धता के सशक्त प्रतीक हैं। श्रीराम मन्दिर निर्माण आन्दोलन में भी उनकी भूमिका एक मजबूत स्तम्भ के रूप में रही। अपने दूरदर्शी नेतृत्व से भारत के विकास में उप प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, सूचना एवं प्रसारण मंत्री के रूप में उनके द्वारा दिया गया अभूतपूर्व योगदान अविस्मरणीय है अटल-आडवाणी का ये लम्बा साथ कैसे चल सका? क्या दोनों में कोई मतभेद नहीं था अथवा कोई ऐसा मुकाम नहीं आया कि दोनों ने एक-दूसरे से खुद को दूर पाया हो? खासतौर से अयोध्या आन्दोलन को लेकर और फिर अटल जी के प्रधानमंत्री रहते दोनों के मतभेदों की खबरें मीडिया में चलती रहीं। आडवाणी जी का कहना है कि इस लम्बे साथ की वजह थी कि दोनों के बीच कोई स्पर्धा नहीं रही। हम पहले जनसंघ और फिर बीजेपी को सुदृढ़ करने के लिए एकजुट रहे। दोनों ने विचार भिन्नता की स्थिति में भी मतभेदों को बढ़ावा नहीं दिया और परस्पर आदर-विश्वास-सम्वाद कायम रखा। आडवाणी के अनुसार संघ और सहयोगियों के बीच से ये शिकायतें आती रही कि मुझमें अटल जी के फैसलों के प्रति असहमति

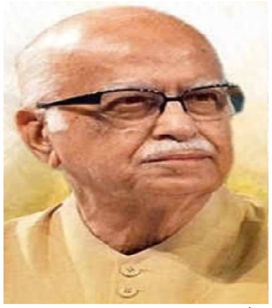

व्यक्त करने का साहस की कमी है। ऐसी शिकायतों को आडवाणी ने हमेशा दरकिनार किया। उनके अनुसार मैंने हमेशा अटल जी को अपना वरिष्ठ और नेता स्वीकार किया। मैं अपने साथियों को बताता था कि मुखिया के बिना कोई परिवार टिक नहीं सकता। दीनदयाल जी के बाद अटल जी परिवार के मुखिया हैं।

बेशक आडवाणी जी उपप्रधानमंत्री की कुर्सी तक ही पहुँच पाए, लेकिन बीजेपी को केन्द्र की सत्ता तक पहुँचाने का उन्हें काफी कुछ श्रेय प्राप्त है। उनकी शुरुआती पहचान भले पार्टी के सिद्धान्तकार और संगठक की रही हो लेकिन अयोध्या आन्दोलन में रामरथ पर सवार होकर उन्होंने पार्टी को अपने परम्परागत शहरी और मध्यवर्ग के आधार से आगे बढ़ाकर दूर गाँवों के पिछड़ों और कमजोर तबके के बड़े हिस्से तक पहुँचाया।

इस दौर में पार्टी में वे अटल जी की तुलना में अधिक ताकतवर बन चुके थे, लेकिन उन्होंने फिर भी खुद की जगह हमेशा अटल जी को आगे और बेहतर माना। यात्रा ने अटल जी को पार्टी के उदार तो आडवाणी को कट्टर चेहरे के तौर पर पेश किया। यह गठबन्धन सरकारों का दौर था। केन्द्र की सत्ता में बीजेपी के सफर की शुरुआत अटल-आडवाणी की जोड़ी ने की। नरेन्द्र मोदी की अगुवाई ने 2014 और 2019 में विपक्ष को बीजेपी के आगे बौना कर दिया। कश्मीर से 370 के खात्मे और राममन्दिर के निर्माण के पार्टी के एजेंडे को मोदी सरकार पूरा कर चुकी है। समान नागरिक संहिता उसकी प्राथमिकता में है। पार्टी सशक्त भारत के निर्माण के लिए इन्हें पूरा करना जरूरी मानती है। यह सब पूरा करने के लिए पार्टी ने एक लम्बा सफर तय किया और उसके लिए तमाम त्याग किए। मोदी सरकार पार्टी के पितृ पुरुषों की राष्ट्र के लिए की गई सेवाओं के प्रति सचेत है। पहले अटल जी और अब आडवाणी जी को भारत रत्न से विभूषित करके सरकार ने उनके प्रति अपना सम्मान व्यक्त किया है तो देशवासियों को उनके अप्रतिम योगदान का स्मरण कराया है। भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न भारतीय ही बल्कि गैर-भारतीय शख्सियतों को भी दिया गया है। इन्हीं में एक थे सीमान्त गांधी के नाम से मशहूर महान स्वतंत्रता सेनानी खान अब्दुल गफ्फार खां। किसी भी गैर भारतीय को यह पहला भारत रत्न सम्मान था। उनके बाद यह दक्षिण अफ्रीका के रंगभेद आन्दोलन के मुखिया नेल्सन मण्डेला को भी यह सम्मान मिल चुका है। उस साल पाकिस्तान की यात्रा के समय उन्होंने जिन्ना और लियाकत अली खान के मजार पर जाकर श्रद्धांजलि दी थी। इस पर विवाद भी हुआ। भारतीय जनता पार्टी और संघ से जुड़े कई नेताओं ने उनका विरोध किया लेकिन सच्चाई तो यही है कि लालकृष्ण आडवाणी ने हमेशा अपने इरादों और विचारों से यह साबित किया है कि वो भाजपा के एक कट्टर नेता हैं, जिसने ना केवल राम मन्दिर की बल्कि हिन्दू राष्ट्र के लिए भी संसद से लेकर सड़क तक अपनी आवाज बुलन्द की है।

चौ.चरण सिंह, नरसिम्हा राव, एसएस स्वामीनाथम को भी भारत रत्न

पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह, पी.वी. नरसिम्हा राव और देश की हरित क्रान्ति के जनक डॉ.एम.एस. स्वामीनाथम को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' से सम्मानित किया जाएगा। प्रधान मंत्री मोदी ने इसकी घोषणा की। इस साल अब तक 5 लोगों को भारत रत्न देने की घोषणा हुई है, जो अब तक सर्वाधिक है। इससे पहले वर्ष 1999 में एक बार में चार लोगों को यह सम्मान दिय गया था। कुछ दिनों पहले सरकार ने बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर और पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी के नाम की घोषणा की थी।

ज्योतिष की बातें - 166

19 फरवरी 2024 को सूर्य सायनमान से मीन राशि में प्रवेश करेगा अतः बसन्त ऋतु का प्रारम्भ हो जाएगा। जो लोग नियमित रूप से त्रिला का सेवन करते हैं उनके लिए अगले दो माह शहद के साथ त्रिफला चूर्ण का सेवन अधिक स्वास्थ्यप्रद रहेगा ।

20 फरवरी 2024 को बुधा कुम्भ राशि में प्रवेश करेगाए वहाँ पर सूर्य और शनि पहले से ही विद्यमान होंगे। बुधादित्य योग तो बनेगा लेकिन बुध अस्त भी रहेगा अतः कुल मिलाकर बुध सामान्य बली रहेगा। अतः अगले 16 दिन बुध बुद्धि व्यापार आदि अपने कारक विषयों में मकर, वृश्चिक, कन्या, कर्क, वृषभ व मेष राशि के जातकों को शुभफल प्रदान करेगा।

माघी पूर्णिमा. शनिवार 24 फरवरी 2024 को माघ मास की पूर्णिमा तिथि होगी। इस बार मघा नक्षत्र का भी योग होने से इसे महामाघी पूर्णिमा कहा जाएगा। अतः इस दिन स्नान दान का विशेष फल प्राप्त होगा। शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद्

सम्यक् विचार- 57

विकास की विभीषिका

रात में भी तेज प्रकाश होने के कारण जुगनू विलुप्त होने की कगार पर हैं। पशुओं के इलाज में जो डिक्लोफिनेक आदि औषधीयाँ प्रयुक्त होती हैं उसके कारण उन मृत पशुओं के विषाक्त शवों को खाने के कारण गिद्ध भी अब समाप्तप्राय हो चुके हैं। हाई फ्रीक्वेंसी इलेक्ट्रोमैग्नेटिक वेव्सए 4G, 5G आदि के कारण तितलियाँए भौंरे आदि अब दिखाई नहीं पड़ते हैं। पहाड़ पर भी हवाई जहाज और हेलीकाप्टर की निरन्तर होती भयंकर घड़घड़ाहट के कारण पहाड़ी वन्य जीवों का भी जीवन खतरे में पड़ गया है। चौड़ी चौड़ी सड़कें, एक्सप्रेस हाईवेए एलिवेटेड रोड आदि बहुत अधिक बनने के कारण पृथ्वी कई भागों में बंटती जा रही है जिस कारण दूर-दूर तक, हजारों किमी तक विचरण करने वाले हाथी आदि वन्य पशु अब संकुचित स्थान में रहने के कारणए उनकी भी आबादी निरन्तर घट रही है। नदियों पर बड़े-बड़े बांध और अन्य बाधाएं निर्मित होने के कारण जो मछलियां गंगासागर से इलाहाबाद तक प्रवास करती थीं, वे अब समाप्त हो चुकी हैं । गौरैया आदि चिड़ियाँ तो समाप्त हो ही चुकी हैं।

इस प्रकार एक क्रूर मानव अपने भयंकर विकास के लिए सम्पूर्ण जीव-जन्तुओं का जीवन समाप्त करने पर तुला है। मर तो मनुष्य भी रहा है धीरे-धीरे लेकिन विकासवादियों को दिख नहीं रहा है अहंकार के कारण। क्या कोई ऐसा राजनीतिक दल है जो जीव-जन्तुओं, पशु-पक्षियों की सुरक्षा के लिए विकास की जगह पर्यावरण की चिन्ता करेगा। **-सरल**

हल्द्वानी घटना पर जन संगठनों का संयुक्त बयान

हल्द्वानी। 8 फरवरी को हल्द्वानी में हुई घटना को चिन्ताजनक, निन्दनीय एवं दुखद बताते हुए जन संगठनों का संयुक्त बयान जारी हुआ। जिसमें कहा गया- हम सभी मृतकों और घायलों के प्रति अपनी सम्वेदना व्यक्त करते हैं और उनके लिये उचित मुआवजे की मांग करते हैं। हल्द्वानी, उत्तराखण्ड और देश की जनता से निवेदन करते हैं कि शान्ति बनाए रखें। हर प्रकार की हिंसा की निन्दा करते हैं और चाहते हैं कि निष्पक्ष कानूनी कारवाई हो। कोई भी प्रतिरोध कानूनसम्मत और संविधान के दायरे में होना चाहिये। इस गम्भीर समय में हम प्रशासन से भी निवेदन करना चाहते हैं कि कोई भी कार्यवाही संवैधानिक मूल्यों के विपरीत न हो।

यह भी कहा है कि इस घटना में प्रशासन की लापरवाही, जल्दबाजी और पक्षपातपूर्ण दृष्टिकोण साफ दिखाई दे रहा है। प्रशासन के बयानों में ही साम्प्रदायिक भाषा का इस्तेमाल दिखाई दिया है। जब कथित रूप से अवैध बनी मस्जिद और मदरसा सील कर प्रशासन के कब्जे में थे और इस मामले की सुनवाई 14 फरवरी को न्यायालय में होनी थी तो जल्दबाजी में बगैर तैयारी के ध्वस्तीकरण की क्या जरूरत थी? इसलिए डीएम और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक का तत्काल स्थानान्तरण कर इस घटना की हाई कोर्ट के किसी जज द्वारा न्यायिक जाँच करायी जाये। इस बात पर भी ध्यान रखने की जरूरत है कि 2017 से आज तक लगातार भीड़ की हिंसा और नफरती प्रचार पर उत्तराखण्ड सरकार निष्पक्ष कानूनी कारवाई नहीं कर रही है। इस पर राज्य के नागरिक, जन संगठन, विपक्षी दल और वरिष्ठ बुद्धिजीवियों से ले कर सुप्रीम कोर्ट के वकील और सेना के पूर्व जनरल तक सवाल उठाते रहे हैं। जब सरकार के कदम निष्पक्ष नहीं दिखते तो असामाजिक तत्वों के लिए गुंजाईश बढ़ती है। इसलिए लगातार आवाज उठी है कि सत्ताधारी ताकतों का राजनैतिक फायदे के लिए नफरत, साम्प्रदायिक और हिंसक घटनाओं को प्रश्रय देने से सामाजिक सौहार्द और कानून के राज के लिए खतरे बढ़ते हैं। इसलिए 2018 और उसके बाद भी उच्चतम न्यायालय की और से नफरती प्रचार एवं हिंसा पर दिए गए फैसलों पर सख्त अमल हो, इसके लिए युद्धस्तर पर कदम उठाया जाये। हम लगातार कह रहे हैं कि 'अतिक्रमण हटाओ अभियान' में एक उतावलापन और पक्षपात दिखायी दे रहा है। बगैर नोटिस दे कर तोड़ फोड़ करने की दर्जनों घटनाएं पिछले एक साल में हुई हैं, जबकि हमारा मानना है कि पहले पुनर्वास किये बगैर किसी को भी बेघर न किया जाये और कोई भी ऐसी कार्रवाही सम्यक कानूनी ढंग से, पर्याप्त सुनवाई के बाद सम्वेदनशीलता के साथ होनी चाहिए। उत्तराखण्ड में लगभग चार लाख हैक्टेयर नजूल भूमि पर लाखों लोग बसे हैं। हल्द्वानी में भी बड़ी आबादी नजूल भूमि पर बसी हुई है, जिसमें सभी धार्मों को मानने वाले लोग शामिल हैं। जनता की मांग रही है कि नजूल भूमि पर रह रहे लोगों को मालिकाना हक दिया जाए। इस हेतु राज्य सरकार केन्द्र को प्रस्ताव भी भेज चुकी है। इसके बावजूद अतिक्रमण के मामलों पर जल्दबाजी दिखाना समझ से परे है। पिछले लम्बे समय से राज्य सरकार अतिक्रमण हटाओ अभियान के नाम पर आम आदमी को बेघर कर रही है, वन भूमि, नजूल भूमि व अन्य जगहों से उजाड़ रही है। नफरत नहीं, रोजगार दो!

निवेदक, राजीव लोचन साह अध्यक्ष उलोवा, नरेश नौडियाल महासचिव उपपा, तरुण जोशी वन पंचायत संघर्ष मोर्चा उत्तराखण्ड, भुवन पाठक एवं शंकर दत्त सद्भावना समिति, शंकर गोपाल एवं विनोद बडोनी, चेतना आंदोलन उत्तराखण्ड, इस्लाम हुसैन सर्वोदय मंडल, ललित उप्रेती एवं मुनीश कुमार, समाजवादी लोक मंच उत्तराखण्ड, त्रिलोचन भट्ट, स्वतंत्र पत्रकार, हीरा जंगपांगी, महिला किसान अधिकार मंच।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

जौलजीवी इनरलाइन बने, प्रदर्शन किया

धारचूला। धारचूला में 2 किशोरियों के लापता होने की घटना के बाद बलुवाकोट में जबर्दस्त प्रदर्शन करते हुए जौलजीवी में इनरलाइन बनाने की मांग की गई। एनएसयूआई नेता पंकज मेहता के नेतृत्व में प्रदर्शनकारियों ने कहा कि बहुत पहले से यह मांग की जा रही है। इस गम्भीर मसले पर सरकार कार्रवाई करे।

धौलादेवी में ब्लड स्टोरेज यूनिट

अल्मोड़ा। विकासखण्ड धौलादेवी स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में ब्लड स्टोरेज यूनिट खुलने की उम्मीद जगी है। विभाग की अनुमति के बाद सीएचसी में इसके लिये उपकरण स्थापित करने शुरू कर दिये हैं। साथ ही लाइसेंस के लिए भी आवेदन कर दिया है। लाइसेंस मिलते ही यहाँ ब्लड स्टोरेज यूनिट संचालित हो जाएगी। जिससे दूरदराज के लोगों को जरूरत पड़ने पर लाभ मिल सकेगा।

रातीघाट स्वास्थ्य केन्द्र अपग्रेड करें

गरमपानी। अल्मोड़ा-हल्द्वानी हाइवे से लगे रातीघाट क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिये एएनएम सेन्टर को अपग्रेट करने की मांग हो रही है। ग्राम प्रधान चौरसा सविता बिष्ट ने इस सेन्टर को उच्चीकृत करने की मांग की है ताकि दूर-दराज ग्रामीण क्षेत्र में रहने वालों को सुविधा मिल सके।

राज्यस्तरीय आइस स्कीइंग कोर्स रद्द

उत्तरकाशी। कम बर्फबारी के कारण पर्यटन विभाग और नेहरू पर्वतारोहण संस्थान की ओर से होने वाला आइस स्कीइंग कोर्स इस वर्ष रद्द कर दिया गया है। हर बार हर्षित घाटी के छोलमी गाँव में आइस स्कीइंग कोर्स किया जाता है। इसके लिये प्रदेश के सभी जिलों से 60 खिलाड़ियों का चयन हुआ था।

रानीखेत में प्रदर्शनी का विरोध

रानीखेत। सेना के नरसिंह ग्राउण्ड में 14 दिवसीय रानीखेत महोत्सव नाम पर चल रही प्रदर्शनी का विरोध किया गया। व्यापार मण्डल ने कहा कि व्यापारी जीएसटी, छावनी के टैक्स, आयकर सहित अन्य टैक्स भ्नरते हैं। साथ ही शहर के विभिन्न आयोजनों में भागीदारी करते हैं। वहीं बाहर से आए ठेकेदार हस्तशिल्प एवं हथकरघा के नाम पर यहाँ बुलाए जा रहे हैं।

गुरुड़ाबाज में चाय फैक्ट्री को धनराशि

दन्या। कृषि व कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने राजकीय उद्यान गुरुड़ाबाज में चाय फैक्ट्री की स्थापना के लिये 129.99 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की है। कहा कि इससे स्थानीय लोगों को प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा।

हल्द्वानी में चौड़ीकरण के लिये निशान, ऐशबाग में रोक लगाई

हल्द्वानी। शहर की सड़कों के चौड़ीकरण के लिये जिस प्रकार से प्रशासन ने कार्रवाई की है उससे हड़कम्प भी मचा हुआ है। नैनीताल रोड पर कई दुकानों के टूटने का भय है तो कालाढूंगी रोड पर इससे भी ज्यादा तोड़फोड़ तय है। तीराहे, चौराहों पर सुन्दरीकरण के लिये होने वाली कार्यवाही के लिये प्रशासन तैयार है। जमीनों, नाली, नालों पर मनमानी करने वालों को रोकने के लिये सख्ती हो रही है। शहर के बीचोंबीच ऐशबाग में नाले पर हो रहे निर्माण कार्य को सील कर दिया गया है। जिला विकास प्राधिकरण ने संयुक्त सचिव ऋचा सिंह ने बताया कि सूचना मिली भी थी कि ऐशबाग पर नाले के ऊर आवासीय निर्माण किया जा रहा था। टीम ने मौके पर पहुँचकर कार्य रुकवाया। निर्माणकर्ता भी कोई वैध दस्तावेज नहीं दिखा सका। कुसुमखेड़ा, ऊँचापुल, कठघरिया, लामाचौड़ सहित आसपास के इलाकों में भी निर्माणों पर लाल निशान लगाकर हटा लेने को कहा गया है। इसमें जंक्शन इंप्रूवेंट के तहत कार्रवाई की जा रही है।

रोडवेज अड्डा शिफ्ट होने से होगी राहत

हल्द्वानी। शहर को व्यवस्थित करने की दिशा में जिस प्रकार से ताबड़तोड़ कार्रवाई चल रही है उसमें रोडवेज बस अड्डे को शिफ्ट किया जाना भी है। इसके लिये ट्रान्सपोर्ट नगर को उचित माना गया है। अड्डा शिफ्ट होते ही काफी राहत मिलेगी। क्योंकि शहर के बीचोंबीच जिस स्थान पर रोडवेज बस अड्डे का संचालन है वहाँ मुख्य डाकघर, दूरसंचार कार्यालय भी है। बसों की भीड़ में यह ढक चुके हैं। साथ ही पहाड़ से लेकर मैदान तक बसों की भीड़ में जाम से काफी परेशानी होती है।

प्रान्तीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल पहले से ही बस अड्डे को शहर से बाहर शिफ्ट करने की बात करता रहा है। आखिरकार चार महीने बाद बस अड्डे को अस्थायी तौर पर शिफ्ट करने के लिये ट्रांसपोर्ट नगर की 1.23 एकड़ भूमि का चयन किया गया। बताया जा रहा है कि लगभग तीन वर्ष तक के लिये अस्थायी बस अड्डा संचालित किया जायेगा। सिटी मजिस्ट्रेट ऋचा सिंह ने बतायाकि डीएम के निर्देशानुसार संयुक्त समिति ने अस्थायी बस अड्डे के लिये भूमि का चयन कर लिया है। वहाँ बुनियादी सुविधाओं के बाद संचालन होगा।

हेलीसेवा से नये कारोबार जुड़ेंगे

हल्द्वानी से पिथौरागढ़, मुनस्यारी, चम्पावत के लिये हेली सेवा का ट्रायल होते ही यह तय हो चुका है कि इससे नये कारोबार जुड़ेंगे। पहले पिथौरागढ़ से पन्तनगर के लिये शुरु हुई हेली सेवा के बाद प्रदेश में जगह-जगह पर्यटन के लिये इस प्रकार की तैयारी होने लगी है। अब लग रहा है कि आने वाले समय में हवाई यात्रा होने से यातायात की नई शुरुआत में कई यात्री इससे जुड़ेंगे। अति आवश्यक सेवा के लिये हेली सेवा का लाभ होगा और पर्यटकों को लुभाने के लिये भी यह कदम उपयोगी होगा।

गौलापार स्थित हेलीपैड पर बुनियादी सुविधाएं विकसित करते हुए उत्तराखण्ड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण, नागर विमानन महानिदेशालय की टीम ने हेली सेवा का ट्रायल किया। बताया गया है कि चम्पावत के लिए प्रति व्यक्ति यात्री किराया 2500 रुपये, पिथौरागढ़ के लिए 3000 रुपये और मुनस्यारी के लिये 3500 रुपये प्रस्तावित किया गया है।

यात्रा इन्तजाम दुरुस्त करने के निर्देश

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ धाम की यात्रा को सुगम और सुव्यवस्थित ढंग से संचालित करने को लेकर जिलाधिकारी डॉ.सौरभ गहवार ने अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने कहा कि केदारनाथ धाम की यात्रा में देश-विदेश से लाखों भक्त पहुँचते हैं, उन्हें गौरीकुण्ड से लेकर केदारनाथ तक 18 किमी पैदल चढ़ाई में परेशानी का सामना करना पड़ता है। केदारनाथ पहुँचने पर उन्हें गन्दगी की समस्या से दो-चार होने के साथ स्वास्थ्य सम्बन्धी परेशानी से भी जूझना पड़ता है। ऐसे में केदारनाथ यात्रा को साफ-सफाई से लेकर स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। डीएम ने केदारनाथ में साफ सफाई से लेकर नगर पंचायत एवं जिला पंचायत को प्लान तैयार करने के निर्देश दिये। स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने एवं डाक्टरों की तैनाती के लिए मुख्य चिकित्साधिकारी को कार्य योजना तैयार करने को कहा। जिलाधिकारी ने सख्त आदेश दिये कि यात्रा कपाट खुलने से पहले सभी व्यवस्थाओं को पूरा कर लिया जाए। कहा यात्रा मार्ग पर चिकित्सकों के साथ उपकरणों की संख्या भी बढ़ाई जाए। यात्रा रूट बेहतर एवं साफ-सुथरे हों।

अल्मोड़ा मालरोड के हालत खस्ता

अल्मोड़ा। जिला मुख्यालय के माल रोड में जल निगम द्वारा बनाई जा रही सीवर लाइन के कारण दिक्कत भी हो रही है। निर्माण कार्य में बरती जा रही अनियमितता के कारण यह मार्ग कीचड़ का ढेर बन चुका है। बारिश के समय सीवर लाइन के लिये खोदे गए मलबे साथ पानी घरों और दुकानों में जा रहा है। राहगीरों को भी बेहद परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

पिछले कई महीनों से माल रोड स्थित शिखर तिराहे से जाखनदेवी मार्ग तक जल निगम सीवर लाइन निर्माण का कार्य चल रहा है। निर्माण कार्य के कारण विभग ने कुछ दिनों के लिए इस मार्ग पर चौपहिया वाहनों के आवागमन पर रोक लगाई थी। लेकिन निर्धारित समय पर कार्य पूरा नहीं हो सका। इस बीच लापरवाही की घटनाएं भी देखने को मिली। अब जिस प्रकार से कीचड़ बिखरा हुआ है वह समस्या बन चुका है।

मेडिकल कालेज टूरिज्म से जुड़ेगा

पिथौरागढ़। मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने पिथौरागढ़ मेडिकल कालेज को राज्य का एक आदर्श एवं बेहतरीन मेडिकल कालेज बनाने की कार्ययोजना पर गम्भीरता एवं तत्परता से कार्य करने के निर्देश चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग तथा कार्यदायी संस्था उत्तराखण्ड पेयजल निगम को दिए हैं। विधानसभा भवन देहरादून में आयोजित पिथौरागढ़ मेडिकल कालेज की संशोधित प्रोजेक्ट की व्यय वित्त समिति की बैठक में मुख्य सचिव ने इकी ईएफसी पर विस्तार से चर्चा की। कहा कि यह मेडिकल कालेज सीएम पुष्कर धामी की एक महत्वाकांक्षी परियोजना है। इसे प्रदेश के एक आदर्श मेडिकल कालेज के रूप में विकसित करने के साथ ही मेडिकल टूरिज्म से भी जोड़ा जायेगा। उन्होंने कहा कि कार्यदायी संस्था द्वारा पिथौरागढ़ मेडिकल कालेज के प्रोजेक्ट को नेशनल मेडिकल मकीशन के मानकों के अनुरूप संशोधित कर दिया गया है। मुख्य सचिव ने कालेज के टीचिंग इस्पिटल में एक रैनबसैरे के निर्माण के निर्देश भी दिए।

यात्रा व्यवस्था में जुटी मंदिर समिति

गोपेश्वर। बदरीनाथ-केदारनाथ मन्दिर समिति यात्रा की तैयारियों में जुट गई है। इसके लिये बीकेटीसी के सीईओ योगेन्द्र सिंह ने अधिकारियों और कर्मचारियों की वर्चुअल बैठक में यात्रा व्यवस्थाओं में व्यापक सुधान पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस साल यात्रा काल में भी सुविधाओं को बेहतर बनाना होगा। बीकेटीसी के मीडिया प्रभारी डा.हरीश गौड़ ने बताया कि इसमें सरल सुगम दर्शन व्यवस्था, ऑनलाइन पोर्टल से आनलानइ पूजा, विश्राम गृहों की सुविधाएं, मन्दिरों के प्रचार-प्रसार, भण्डार सामग्री, पर्याप्त भोग सामग्री, खाद्यान्न व्यवस्था, दानदाताओं के सहयोग से तीर्थयात्रियों के लिये भण्डारा, आडियो वीडियो सिस्टम विकसित करने, सीसीटीवी तीर्थयात्रियों के लिए आवास व्यवस्था, कर्मचारियों के लिये दोनों धामों में आवासीय व्यवस्था आदि पर अधिकारियों, विश्राम गृह प्रबन्धकों तथा सम्बन्धित काउंटर प्रभारियों ने सुझाव रखे। बताया कि दूसरी बैठक में प्राप्त सुझावों पर कार्यवाही होगी।

परिक्रमा

विभिन्न मांगों को लेकर कोटद्वार में प्रदर्शन

कोटद्वार। मालन पुल निर्माण, कोटद्वार में मेडिकल कालेज निर्माण, लालढांग-चिल्लाखाल मोटर मार्ग निर्माण व कण्वाश्रम के विकास कार्य में विलम्ब होने पर पूर्व सैनिक संघर्ष समिति के बैनर तले विशाल प्रदर्शन किया गया। समिति के अध्यक्ष महेन्द्र पाल सिंह रावत, सीपी डोबरियाल, आपी पन्त, राजेन्द्र धस्माना सहित बड़ी संख्या में जनता थी। इसका ज्ञापन शासन को भ्नेजा गया।

सेम-स्वीली-दरमोला सड़क निर्माण हो

रुद्रप्रयाग। राज्य योजना के अन्तर्गत भरदार क्षेत्र के सेम गाँव सहित स्व. दीपक डिमरी राजकीय इण्टर कालेज स्वीली को जोड़ने के लिये 5 किमी लम्बे मोटर मार्ग को निर्माण कई वर्षों से नहीं हो पाया है। मोटर मार्ग न होने से सेम गाँव के लोगों को दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

बड़े फैसलों पर उत्तराखण्ड बन चुका है प्रयोगशाला

यूसीसी को सरकार ने बताया ऐतिहासिक कदम, विपक्ष ने कहा जल्दबाजी

कार्यालय प्रतिनिधि

मोदी सरकार द्वारा जिस प्रकार से देश में अपना चक्र चलाया जा रहा है उसमें देवभूमि उत्तराखण्ड इसके बड़े फैसलों की प्रयोगशाला के रूप में दिखाई दे रहा है। पीएम नरेन्द्र मोदी ने उत्तराखण्ड में अभी तक की जितनी भी यात्राएं की हैं उनके द्वारा धार्मिक लहर दिखाई दी है। फिर प्रदेश सरकार उन्हीं बातों को बढ़ाते हुए सुन्दरीकरण की तमाम योजनाएं लागू कर चुकी है। सीएम पुष्कर धामी लगातार दौड़धूप करते हुए मोदी के प्रिय हो चुके हैं। इसी क्रम में समान नागरिक संहिता लागू करने की गितनी में पहला स्थान पाने वाला प्रदेश भी उत्तराखण्ड बना है। दो दिन की गई चर्चा के बाद विधान सभा में यह विधेयक पास हुआ। विपक्ष ने विरोध तो नहीं किया लेकिन संशोधन की बात जरूरी कही। सीएम ने इसे रामयुग की बड़ी पहल बताते हुए कहा इससे समाज में भेदभाव, कुरीतियां खत्म होंगी। संशोधन की सम्भावनाएं भी

इसमें हैं। सभी विधिक प्रक्रिया पूरी होने के बाद यूसीसी लागू करने वाला उत्तराखण्ड देश का पहला राज्य बनेगा।

मुख्यमंत्री धामी कहते हैं कि समान नागरिक संहिला लागू करने सम्बन्धी विधेयक से उत्तराखण्ड की पहल उदाहरण बनेगी। स्वतंत्रता के के बाद जो काम अब तक अन्य राज्य नहीं कर पाए, वह उत्तराखण्ड सरकार ने कर दिखाया। सरकार के सभी नेता भी यूसीसी लाने को बड़ा साहस का काम बता रहे हैं। महिला मोर्चा की राष्ट्रीय सचिव दीप्ति रावत भरद्वाज ने कहा कि समान नागरिक संहिता महिलाओं के अधिकारों और उनकी सुरक्षा का एक घोषणा पत्र है।

विपक्ष ने अपनी बात रखी लेकिन ताकतबर सत्ता के सामने वह केवल आवाज ही है। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने ने मांग की कि यूसीसी पर और ज्यादा अध्ययन की आवश्यकता है। बेहतर होगा कि इसे प्रवर समिति के हवाले किया जाए। भाकपा माले के राज्य सचिव इन्द्रेश मैखुरी ने कहा कि उत्तराखण्ड सरकार द्वारा यूसीसी विधेयक निरर्थक कवायद का नमूना है। बालिग लोगों के निजी सम्बन्धों में जबरन सरकार और उनकी दक्षिणपन्थी उत्पाती समूह के घुसपैठ का इन्तजाम है। विवाह, तलाक, उत्तराधिकार के लिये पहले से कानून मौजूद है। कांग्रेस नेता प्रीतम सिंह ने कहा है कि यूसीसी विधेयक में कई खामियां हैं। लिव इन रिलेशन का पंजीकरण अनिवार्य किया गया। इसे भी शादी माना जा रहा है, जबकि सुप्रीमकोर्ट ने एक फैसले में कहा था कि लिव इन रिलेशन का पंजीकरण मूर्खतापूर्ण विचार है। उप नेता प्रतिपक्ष भुवन कापड़ी कहते हैं- प्रदेश सरकार की ओर से जिस तरह यूसीसी पर सुर्खियां बटोरी जा रही हैं, इसमें नया कुछ नहीं है। सिर्फ संविधान में पहले से मौजूद प्रावधानों को कॉपी पेस्ट किया गया। विधायक हरीश धामी ने सरकार द्वारा जल्दबाजी में उठाया गया कदम बताया है। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा है कि भाजपा सरकार को राज्य हित से कोई वास्ता नहीं है। यूसीसी बिल लाने में इतनी जल्दबाजी दिखाई है इससे वर्तमान कानून को प्रभावित होना होगा। इस पर गम्भीरता से विचार किया जाना था।

हल्द्वानी अतिक्रमण हटाओ अभियान में अब ज्यादा बल होगा

हल्द्वानी। बनभूला की घटना के बाद प्रशासन चेता है और यह तय है कि जिस प्रकार से हल्द्वानी में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलना है उसमें अब पुलिस बल ज्यादा होगा। शहर में सड़क चौड़ीकरण को लेकर जिस प्रकार तेजी दिखाई दे रही थी, वह फिलहाल बनभूल पुरा के हालातों के बाद सबका ध्यान उसी ओर है लेकिन यह भी साफ हो चुका है कि अब जितने भी अभियान चलेंगे उसमें सख्ती के अलावा पुलिस बल ज्यादा होगा। शहर के हालातों को देखते हुए यह संदेह है कि अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान कोई उलझन आ सकती है। फिलहाल इस समय दंगाईयों की तलाश की जा रही है। मलिक का बगीचा में अतिक्रमण हटाते समय उपद्रव करने वालों की छानबीन शुरु हो चुकी है। पूरे मामले की मजिस्ट्रेट जांच के लिये आयुक्त दीपक रावत मुखिया हैं।

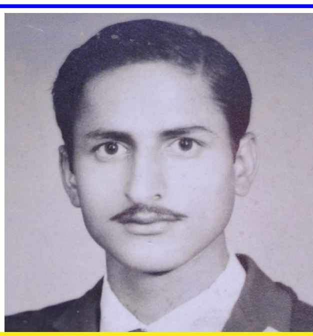

निमंत्रण

वरिष्ठ कथाकार-पत्रकार स्व. आनन्द बल्लभ उप्रेती

11वां स्मृति समारोह में आप सादर आमंत्रित हैं।

दिनांक- 25 फरवरी 2024

स्थान- हरगोविन्द सुयाल इण्टर कालेज पीलीकोठी, कालाढूंगी रोड में आर.के.टैंट हाउस मार्ग, हल्द्वानी

संगोष्ठी का विषय

''हिमालयी संस्कृति और लला जसुली''

विनीत

पिघलता हिमालय परिवार

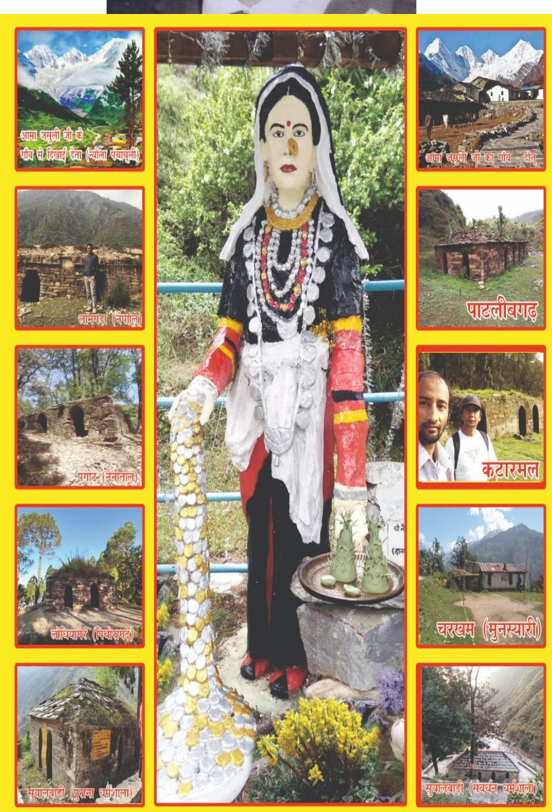

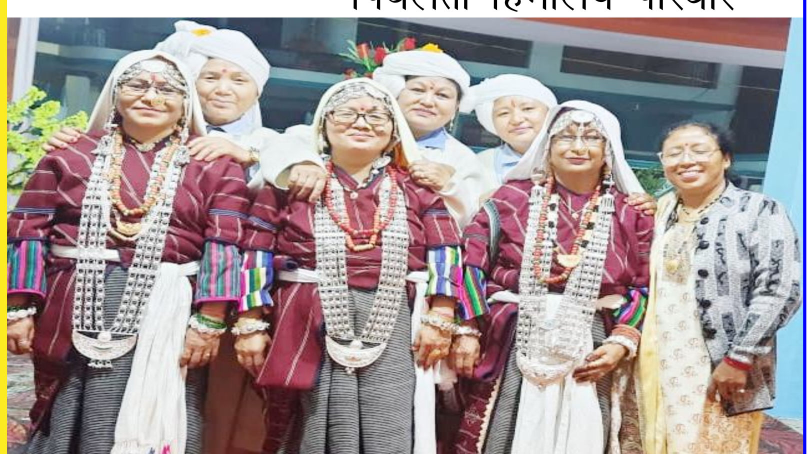

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

बसन्त पंचमी की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ-

भूपाल सिंह
लस्पाल
ग्राम- जाखनी,
(विवेकानन्द कलोनी)
पो. बिण
(पिथौरागढ़)

एम.डी.एम.
एजूकेशनल
एकेडमी
टनकपुर

न तेरा न मेरा Thats
APNA GHAR चौकोड़ी
HOTEL RESTRO BANQUET
मो.- 9458920379, 6396098804

YOGA MEDITATION | LIVE MUSIC | HOMELY FOOD | BIRTHDAY WEDDING
Near by-
(माँ कोटगाड़ी, नौलिंग देव, पातालभुवनेश्वर)
पितृछाया- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. जोगासिंह मर्तोलिया

Hotel
Bala Paradise
Tiksain, Munsiari
Ph. 05961222237, 9412951678

घर से बाहर
घर का सा
होटल
लक्ष्य इन
मदकोट
सम्पर्क
7351285555

MARTOLIA
FURNITURE
A unit of Martolia Enterprises
Pilikothi, Haldwani
Mob- 8057167777, 7906752084, 8650427229

Hayat Paradise
Bus Station
Munsiari
Ph. 09411556700, 9997733070

धमोत होम स्टे
धरमघर/चकोड़ी
(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग,माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)
मो. 9760007148
www.mountainheights.in

माँ नन्दा आयरन एण्ड बिल्डिंग
मैटेरियल, भोटिया पड़ाव, हल्द्वानी
(सीमेन्ट, सरिया, टाइल, पेण्ट, सेनेटरी, हार्डवेयर)
गोदाम- जोहार एसोसिएट्स
बच्चीनगर- 1, कमलुवागांजा, हल्द्वानी
मो.- 7409440813, 7500619761

पूर्ण कालिक
संगीत प्रशिक्षण
केन्द्र
हिमालय संगीत
शोध समिति
जे.के.पुरम्, सेक्टर डी
छोटी मुखानी
हल्द्वानी
सम्पर्क- 9411563413

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर
नानासेम, मुनस्यारी
गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स
हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल आर्डर सप्लायर्स
फोन सम्पर्क- 05961-222236
8958525979, 9411134775

Enjoy Beauty of Himalaya at
MARTOLIA LODGE
Family Guest House- Sarmoly, Munsiyari
A Home Away From Home & Home Stay
Phone: (05961) 222287

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल) से मुद्रित।
सम्पादकः श्रीमती गीता उप्रेती फोन/फैक्सः (05946) 264013, 9458961490, 9411770280, 9411301014,
editorpighaltahimalay@gmail.com
Website- www.pighaltahimalay.com

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)